अग्रहायण–पौष 1937 दिसम्बर 2015 खण्ड 27 अंक 12

# डीआरडीओ समाचार

डी आर डी ओ की मासिक गृह पत्रिका

डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि देते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी।

# प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा डॉ कलाम को श्रद्धांजलि

डी आर डी ओ मुख्यालय में डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी।

## इस अंक में


- अस्त्रधारिणी का भारतीय नौसेना में प्रवेश
- विश्व के सबसे बड़े अनुसंधान तथा विकास केन्द्र का उद्घाटन
- प्रक्षेपास्त्र परिसर का नाम बदलकर डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम प्रक्षेपास्त्र परिसर हुआ
- डेसीडॉक द्वारा पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन
- जी टी आर ई–उद्योग साझा सम्मेलन
- मानव संसाधन विकास गतिविधियां
- हिन्दी पखवाड़ा समारोह
- पुरस्कार
- कार्मिक समाचार
- स्वच्छ भारत अभियान
- डी आर डी ओ प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं में पधारे अतिथिगण


डी आर डी ओ मुख्यालय, नई दिल्ली में दिनांक 15 अक्तूबर 2015 को माननीय प्रधान मंत्री ने भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम की प्रतिमा का अनावरण किया तथा डॉ कलाम के जीवन से जुड़ी एक फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। बहुसंख्य

डॉ कलाम पर पुस्तक का विमोचन करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी।

drdo.gov.in/drdo/pub/samachar/index.html

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, डॉ कलाम की याद में डाक टिकट जारी करते हुए।

लोगों को सम्बोधित करते हुए प्रधान मंत्री ने कहा कि डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम राष्ट्रपति से पहले राष्ट्र रत्न थे। उन्होंने न केवल अपनी उदारता से ऊंचाइयों को छूकर भारत के सबसे उच्च कार्यालय तक अपनी पहुंच बनाई बल्कि उच्च संस्थानों का निर्माण भी किया। आपने बताया कि हमें उन्हें उदाहरण मानकर प्रेरणा लेनी चाहिए। आपने कहा कि आपने वाली पीढ़ियों को प्रेरित तथा भारत में अनुसंधान हेतु प्रोत्साहित करने के लिए रामेश्वरम में डॉ कलाम का एक स्मारक भी बनाया जाएगा। इस अवसर पर माननीय प्रधान मंत्री ने एक पुस्तक का विमोचन किया जो कि डॉ कलाम के साथ काम करने वाले वैज्ञानिकों द्वारा दी गई श्रद्धांजलि का संग्रह है। साथ ही माननीय प्रधान मंत्री ने डॉ कलाम की याद में एक डाक टिकट भी जारी किया।

माननीय शहरी विकास मंत्री श्री एम वेंकेंया नायडू एवं माननीय रक्षा मंत्री श्री मनोहर पर्रिकर ने भी श्रोताओं को सम्बोधित किया। माननीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री रवि शंकर प्रसाद एवं माननीय विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ हर्ष वर्धन भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

## अस्त्रधारिणी का भारतीय नौसेना में प्रवेश

स्वदेशी निर्मित तारपीडो शुरूआत एवं वसूली पोत आईएनएस अस्त्रधारिणी को 6 अक्टूबर 2015 को वाइस एडमिरल सतीश सोनी, फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग पूर्वी नौसेना कमान द्वारा नौसेना बेस, विशाखापत्तनम में आयोजित एक समारोह में अधिकृत किया गया। डॉ वी भुजंग राव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एन एस एंड एम), डी आर डी ओ, श्री सी डी मालेश्वर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक नौसेना विज्ञान तकनीकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल), विशाखापत्तनम, श्री सहाय राज, सी एम डी, मैसर्स शोफ्ट शिपयार्ड प्राइवेट लिमिटेड, भरूच, गुजरात और विभिन्न अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस अधिग्रहण समारोह के दौरान उपस्थित थे।

श्री सहाय राज ने उद्घाटन संबोधन दिया। वाइस एडमिरल सतीश सोनी ने जहाज विनिर्माण और परीक्षण प्रक्रियाओं के लिए मैसर्स शोफ्ट शिपयार्ड से साझेदारी के लिए एन एस टी एल को बधाई दी। वाईस एडमिरल सोनी ने कहा–आई एन एस अस्त्रधारिणी के प्रवेशन ने स्वदेशीकरण पर जारी राष्ट्र प्रयासों को बल दिया और अन्तर्जलीय हथियारों के विकास में आत्मनिर्भरता के राष्ट्रीय उद्देश्य को प्राप्त किया। डॉ वी भुजंगा राव और श्री सीडी मालेश्वर ने भी इस अवसर पर अपने विचार रखे।

स्वदेशी स्टील के साथ बनाया हुआ अस्त्रधारिणी एन एस टी एल, मैसर्स शोफ्ट शिपयार्ड एवं आई आई टी खड़गपुर का एक सहयोगात्मक प्रयास है और बेडा ढांचा मुद्रा का एक यूनिक डिजाइन है जो कि इसकी बिजली की आवश्यकता को कम कर देता है। 50 मीटर लंबा ये समुद्री पोत 15 समुद्री मील तक की गति से चलने में सक्षम है। यह समुद्र के अनेक हालातों में कार्य कर सकता हैं और इसके पास तारपीडो लांचर से सुस्ज्जित बडा डेक क्षेत्र हैं जिसमें परीक्षणों के दौरान विभिन्न प्रकार के तारपीडो को दागा या रिकवर किया गया।

आई एन एस अस्त्रधारिणी।

इस जहाज में आधुनिक विद्युत उत्पादन और वितरणए नेविगेशन और संचार प्रणाली है। जहाज की यूनिक ढांचा मुद्रा ने देश की जहाज डिजाइन और जहाज–विनिर्माण क्षमताओं को दर्शाया। जहाज के प्रणालियों का 95 प्रतिशत स्वदेशी डिजाइन का हैं। एन एस टी एल द्वारा विकसित अन्तर्जलीय हथियारों और प्रणालियों के तकनीकी परीक्षणों के लिए आई एन एस अस्त्रधारिणी का इस्तेमाल किया जाएगा। यह अस्त्रवाहिनी का उन्नत प्रतिस्थापन्न है जिसे 17 जुलाई 2015 को अनिधिकृत किया गया। अस्त्रधारिणी दो अधिकारियों, नाविकों और 13 डी आर डी ओ वैज्ञानिकों को समायोजित कर सकते हैं। इसमें एकल यात्रा के दौरान ही कई परीक्षणों को संभालने करने की क्षमता है।

आई एन एस अस्त्रधारिणी के अधिकृतिकरण ने डी आर डी ओ के अनुसंधान और विकास क्षमताओं में एक ताकत दी है यह अन्तर्जलीय हथियारों और प्रणालियों के विकास को गति देगा।

drdo.gov.in/drdo/pub/samachar/index.html

## विश्व के उच्चतम स्थलीय अनुसंधान तथा विकास केन्द्र का उद्घाटन

डॉ एस क्रिस्टोफर, सचिव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग एवं महानिदेशक डी आर डी ओ ने समुद्र के स्तर से 17, 600 फीट ऊपर चंगला पर चरम ऊंचाई अनुसंधान केन्द्र का उद्घाटन किया। यह केंद्र लेह शहर से 75 किलोमीटर आगे पैंगांग झील की तरफ है और यह लद्दाख के ठंडे रेगिस्तान के तहत दुनिया का उच्चतम स्थलीय अनुसंधान एवं विकास केन्द्र है जहाँ सर्दियों (दिसम्बर से अप्रैल) के दौरान तापमान –40 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला जाता हैं और जहाँ कम वायुमंडलीय दबाव और आर्द्रता, उच्च हवाई वेग और पराबैंगनी विकिरण जैसी तीव्र मौसम परिस्थितियाँ हैं।

डॉ क्रिस्टोफर उच्च उच्चांश ठंडीय रेगिस्तान में तैनात सैनिकों की भलाई के लिए खाद्य और कृषि और जैव चिकित्सा विज्ञान के प्रमुख क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस केन्द्र में जीवन विज्ञान से सम्बन्धित काफी गतिविधियों जिनमें मानव शारीरिक कार्य, लंबी अवधि के लिए प्लांट जेनेटिक संसाधनों, डिजाइनिंग परीक्षण, मोबाइल और पोर्टेबल ग्रीनहाऊसों को सत्यापन एवं प्रर्दशन, दूरस्थ जमीनी पोस्टों पर ताजा भोजन के लिए मिट्टीरहित सूक्ष्म खेती प्रौद्योगिकी, अत्यधिक खतरनाक उच्चांश औषधीय पौधों का संरक्षण एवं फैलाव, न्यूनतम प्रसंस्कृत ताजा भोजन के लिए शैल्फ जीवन और स्वीकार्यता, जैव चिकित्सा उपकरणों के लिए परीक्षण एवं सत्यापन, मानव अपशिष्ट का जैव–पाचन,आदि शामिल है का प्रस्ताव किया गया है।

इस अवसर डॉ भुवनेश कुमार, निदेशक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (डिहार), लेह ने कहा यह केन्द्र जीवन विज्ञान गतिविधियों को संचालित करने के अलावा डी आर डी ओ की अन्य प्रयोगशालाओं/प्रतिष्ठानों के लिए प्राकृतिक अत्यधिक ठंडीय परिस्थिति में इलैक्ट्रॉनिक्स एवं संचार उपकरणों के परीक्षण और मूल्यांकन और उच्च उच्चांश अनुप्रयोगों, बैटरियों और ईंधन सैल्स, उच्च उच्चांश वस्त्रों इत्यादि की सामग्री का परीक्षण हेतु अवसर प्रदान करता हैं। डॉ मानस के मंडल, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (जीवन विज्ञान), डी आर डी ओ; लेफ्टिनेंट जनरल बी के चोपड़ा, महानिदेशक, सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाय लेफ्टिनेंट जनरल वेलू नायर, डी सी आई डी सी (एम ई डी); श्री अजय सिंह, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सिविल वर्क्स एवं सम्पदा, डी आर डी ओ मुख्यालय, और डिहार के वैज्ञानिक एवं अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

## प्रक्षेपास्त्र परिसर का नाम बदलकर डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम प्रक्षेपास्त्र परिसर हुआ

श्री मनोहर पर्रिकर, माननीय रक्षा मंत्री ने 15 अक्तूबर 2015 को अनुसंधान केंद्र इमारत (आर सी आई), हैदराबाद में प्रक्षेपास्त्र परिसर का नाम बदलकर डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम प्रक्षेपास्त्र परिसर रख दिया। श्री मनोहर पर्रिकर ने कहा कि प्रक्षेपास्त्र परियोजना का समय से विकास तथा समाज के सभी भागों को विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के लाभ पहुंचाना डॉ कलाम को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

डॉ जी सतीश रेड्डी, रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार एवं निदेशक, आर सी आई ने अपने स्वागत सम्बोधन में डॉ कलाम के उत्कृष्ट योगदान पर प्रकाश डाला तथा उन्हें प्रक्षेपास्त्र परिसर का पिता कहा। श्री मनोहर पर्रिकर ने डुंडीगल, हैदराबाद में परियोजना

ओरेंज, एक आउटडोर रडार क्रास सैक्शन परीक्षण सुविधा तथा आर सी आई में अंतरिक्ष प्रणाली एवं प्रौद्योगिकी के नए परिसर का भी उद्घाटन किया। इस सुविधा से नई शस्त्र प्रणाली का अभिकल्पन किया जाएगा।

## डेसीडॉक द्वारा पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन

डॉ एस क्रिस्टोफर, श्री गोपाल भूषण से चर्चा करते हुए।

रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली द्वारा 10–11 सितम्बर 2015 के दौरान ज्ञान केन्द्र, डी आर डी ओ भवन में पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। डॉ सी पी रामनारायण, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं मुख्य नियंत्रक अनुसंधान तथा विकास ने इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

डॉ एस क्रिस्टोफर, सचिव, रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग एवं महानिदेशक, डी आर डी ओ, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सैन्य अधिकारियों तथा अन्य डी आर डी ओ कर्मचारियों ने प्रदर्शनी का भ्रमण किया। श्री गोपाल भूषण, निदेशक, डेसीडॉक ने डॉ एस क्रिस्टोफर का स्वागत किया तथा प्रदर्शनी के बारे में बताया।

डी आर डी ओ वैज्ञानिकों को अद्यतन करने के लिए प्रदर्शनी में वैमानिकी, इलैक्ट्रोनिक्स, आयुध, जीव विज्ञान, सामग्री विज्ञान, नौसेना विज्ञान तथा प्रबंधन से संबंधित विभिन्न विषयों की 800 से ज्यादा रखी गई थी ताकि उनको उनके विषयानुसार पुस्तकें उपलब्ध कराई जा सकें। आगंतुकों ने प्रदर्शनी की प्रशंसा की।

## जी टी आर ई-उद्योग साझा सम्मेलन

गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जी टी आर ई), बैंगलूरू ने 8 सितम्बर 2015 को सहभागियों के सम्मेलन का आयोजन किया। प्रतिष्ठित भारतीय निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों/संगठनों के 50 से अधिक प्रतिनिधियों ने इसमें भाग लिया और 80 के एन थर्रसट वर्ग इंजन के माड्यूल स्तरीय संयोजन एवं विनिर्माण में गहरी इच्छा दर्शायी।

श्री एम जैड सिद्दीकी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, जी टी आर ई ने इस चुनौतीपूर्ण कार्य के लिए भारतीय उद्योगों के सहयोग पर बल दिया। श्री पी जयपाल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सैन्य उड़ान योग्यता के लिए केंद्र और प्रमाणन (सेमीलेक) और श्री के डोरेसस्वामी, उप महानिदेशक (दक्षिण क्षेत्र), डी जी क्यू ए ने भी एयरो इंजन प्रमाणीकरण और योग्यता प्रक्रियाओं पर अपने अनुभवों को साझा किया।

श्री एस पी सुरेश कुमार, वैज्ञानिक जीए ने अपने स्वागत संबोधन में इस कार्यक्रम का एक सिंहावलोकन

श्री एम जेड सिद्दीकी, प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए।

दिया। जी टी आर ई वैज्ञानिकों ने महत्वपूर्ण इंजन घटकों के विनिर्माण और उप–प्रणालियों के विकास की आवश्यकताओं पर तकनीकी मूल्यांकन दिया। उत्पादों द्वारा अनुपालनीय गुणवत्ता मानकों को भी विस्तार से बताया गया। यह सम्मेलन एक प्रदर्शनी यात्रा के बाद संपन्न हुआ जहाँ सभी प्रमुख इंजन घटकों और उप–प्रणालियों का प्रदर्शन किया गया था।

drdo.gov.in/drdo/pub/samachar/index.html

# मानव संसाधन विकास गतिविधियां

## सम्मेलन/सेमिनार/विचार-गोष्ठी/प्रशिक्षण पाठ्यक्रम/बैठकें

### सॉफ्टवेयर डिफाइन्ड नेटवर्किंग पर पाठ्यक्रम

कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बैंगलूरू ने 14–16 सितम्बर 2015 के दौरान सॉफ्टवेयर डिफाइन्ड नेटवर्किंग (एस डी एन): अगली पीढ़ी की बेडरोक पर पाठ्यक्रम का आयोजन किया। श्री सौरभ मंडल, वैज्ञानिक डी ने पाठ्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। पाठ्यक्रम में मुख्य रूप से एस डी एन पर बल देते हुए नेटवर्किंग प्रौद्योगिकी में वर्तमान तथा भविष्यत् पद्धतियां तथा एस डी एन के बारे में जागरूकता लाने तथा सैन्य डोमने में इसके अनुप्रयोग पर ध्यान दिया गया। पाठ्यक्रम के दौरान शामिल विषय थे, एस डी एन की योजना एवं ट्रांसफोर्मिंग, सुरक्षा नेटवर्किंग के लिए लिवरेजिंग एन एफ वी एवं एन डी एन, नेटवर्क कार्य वर्चुलाइजेशन में उभरतीय हुई पद्धतियां, एस डी एन के सुरक्षा पहलू, एन डी एन का प्रयोग करते हुए क्यू ओ एस इनेबल करने के लिए अनुप्रयोग जागरूकता इत्यादि।

### तकनीकी सहायकों के लिए परिचय पाठ्यक्रम

कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केन्द्र (सेपटेम), दिल्ली द्वारा 31 अगस्त 2015–11 सितम्बर 2015 के दौरान नए भर्ती हुए वरिष्ठ तकनीकी सहायकों के लिए परिचय पर पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। डॉ श्रीमती हिना गोखले, निदेशक, मानव संसाधन विकास निदेशालय, एवं कार्मिक निदेशालय, डी आर डी ओ मुख्यालय, उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि थीं। प्रतिभागियों को डी आर डी ओ नीतियां, आधारभूत कम्प्यूटर कौशल, सूचना का अधिकार, सी सी एस नियम जैसे प्रशासनिक विषय, कल्याणकारी नीतियां इत्यादि के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। श्री मनीष गुप्ता, वैज्ञानिक डी, पाठ्यक्रम समन्वयक थे।

### बजट, वित्त एवं लेखा पर पाठ्यक्रम

कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केन्द्र (सेपटेम), दिल्ली द्वारा 21–23 सितम्बर 2015 के दौरान बजट, वित्त एवं लेखा पर तीन दिवसीय पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री राजीव रंजन, आई डी ए एस, डी सी डी ए, ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया। पाठ्यक्रम के दौरान शामिल विषय थे, डी आर डी ओ बजट, आधुनिक बजट प्रणाली, संशोधित एवं पूर्वानुमान बजट का आंकलन, अंकेक्षण, नकदी से संबंधित, आय कर, यात्रा भत्ता/महंगाई भत्ता, एल टी सी नियम, अवकाश नियम इत्यादि। श्रीमती कातिकी मिश्रा, वैज्ञानिक सी, पाठ्यक्रम समन्वयक थी। श्री आर सी सिंह, वैज्ञानिक एफ, कार्यकारी निदेशक, सेपटेम ने प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र प्रदान किए।

बजट, वित्त एवं लेखा पर तीन दिवसीय पाठ्यक्रम के उद्घाटन समारोह में डॉ विजय सिंह एवं श्री राजीव रंजन।

### इनेबलिंग ई डब्ल्यू प्रौद्योगिकियों पर पाठ्यक्रम

रक्षा उड्डयानिकी अनुसंधान स्थापना (डेयर), बैंगलूरू द्वारा 24–27 अगस्त 2015 के दौरान इनेबलिंग ई डब्ल्यू प्रौद्योगिकियों पर पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। पाठ्यक्रम में डी आर डी ओ प्रयोगशालाओं, भारतीय वायु सेना, उद्योग, बी ई एल, एस डी आई, एच ए एल, महानिदेशक ऐरो के कार्यालय से संकाय सदस्य थे। श्री एन दिवाकर, भूतपूर्व निदेशक, डी एल आर एल ने ई डब्ल्यू में पद्धतियां एवं विकास, वर्तमान ई डब्ल्यू प्रौद्योगिकियां एवं भविष्य पर उद्घाटन उद्बोधन दिया। रडार, फिंगर प्रिंटिंग, वायुवाहित ई डब्ल्यू अनुप्रयोगों के लिए रिसीवर, दिशा पावक पद्धतियां, ई सी एम प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियां, ई डब्ल्यू के लिए कूलिंग प्रणाली ई डब्ल्यू अनुरूपण एवं इसका विश्लेषण इत्यादि विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए गए।

### योग पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

रक्षा शरीरक्रिया एवं सम्बद्ध विज्ञान संस्थान

(डिपास), दिल्ली द्वारा 31 अगस्त 2015–02 सितम्बर 2015 के दौरान 40 वर्ष से कम आयु के डी आर डी ओ कर्मियों के लिए योग पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। पाठ्यक्रम में शामिल विषय थे, रोकथाम, प्रचार–प्रसार, जिज्ञासु, तथा तनाव मुक्त स्वास्थ्य रखने के लिए योग के लाभ के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण इत्यादि। डॉ आई वी बसावरड्डी, निदेशक, एम डी एन आई वाई, दिल्ली, प्रोफेसर बी एन गंगाधर, निमहैंस, डॉ ए बालायोगी, ए सी वाई ई आर, पुडुचेरी ने व्याख्यान दिए। योग विशेषज्ञों द्वारा योग कक्षाएं भी चलाई गईं।

## एल आई एस प्रोफेशनल्स के लिए समेकित कौशल विकास पर कार्यशाला एवं संगोष्ठी

एल आई एस प्रोफेशनल्स के लिए समेकित कौशल विकास पर आयोजित संगोष्ठी का उद्घाटन सत्र।

नाभिकीय औषधि तथा सम्बद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली द्वारा 21–22 सितम्बर 2015 के दौरान एल आई एस प्रोफेशनल्स के लिए समेकित कौशल विकास पर कार्यशाला एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। श्री सुधीर गुप्ता, निदेशक, भर्ती एवं मूल्यांकन केन्द्र (आर ए सी), डी आर डी ओ दिल्ली ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। डॉ सुभाष खुशु, वैज्ञानिक जी ने स्वागत सम्बोधन दिया। डॉ राजीव विज, पाठ्यक्रम निदेशक ने प्रतिभागियों को कार्यशाला की आवश्यकता तथा उसके उद्देश्य की जानकारी दी। विभिन्न अनुसंधान तथा विकास संस्थानों से लगभग 110 प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया। उपयोक्ता वैज्ञानिकों के लाभ के लिए नवीन एवं उभरती हुई प्रौद्योगिकियों पर बल देते हुए पुस्तकालय क्षेत्र में कार्य कर रहे प्रकाशकों तथा विशेषज्ञों के मध्य सहक्रिया बढ़ाना कार्यशाला का उद्देश्य था। कार्यशाला में शामिल विषय थे, एल आई एस प्रोफेशनल्स के लिए नवीन कौशल, एल आई एस प्रोफेशनल्स के लिए समेकित कौशल विकास इत्यादि।

## प्रभावी प्रस्तुति कौशल पर कार्यशाला एवं संगोष्ठी

ओस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में नाभिकीय औषधि तथा सम्बद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली तथा यूनीवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (यू सी ई), ओस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद के सहयोग से 07 सितम्बर 2015 को प्रभावी प्रस्तुति कौशल विकास पर कार्यशाला एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। डॉ अर्चना मुनीगल, संगाष्ठी संयोजक, ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रोफेसर एस रामाचंद्रन, प्रमुख, यू सी ई ने संगोष्ठी का उद्घाटन किया। अपने उद्घाटन उद्बोधन में, प्रभावी प्रस्तुति कौशल विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ राजीव विज, वैज्ञानिक एफ, आयोजन सचिव ने कार्यशाला के बारे में बताया तथा प्रस्तुति कौशल को सीखने की महत्ता पर बल दिया। मूल विषय के अनुसार विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए गए।

## परियोजनाओं में गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली पर पाठ्यक्रम

प्रौद्योगिकी प्रबंधन संस्थान (आई टी एम), मसूरी ने मध्य स्तरीय डी आर डी ओ वैज्ञानिकों के लिए 07–10 सितम्बर 2015 के दौरान गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली पर पाठ्यक्रम का आयोजन किया। पाठ्यक्रम का उद्देश्य डी आर डी ओ द्वारा विकसित उत्पाद एवं सेवाओं की गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता बढ़ाने से संबंधित मुद्दों पर प्रकाश डालना था। पाठ्यक्रम के दौरान मुख्य विषयों को शामिल किया गया, जैसे अभिकल्पन में गुणवत्ताएवं विश्वसनीयता बनाना, अभिकल्पन में क्यू एफ डी पहुंच, सिक्स सिग्मा की स्वीकार्यता इत्यादि। कोमोडोर सेवानिवृत्त एस के पटेल, निदेशक, डी क्यू आर एस, डी आर डी ओ ने गुणवत्ता, विश्वसनीयता एवं सुरक्षा मुद्दों पर मुख्य सम्बोधन दिया।

## विस्फोटकों के सुरक्षित भण्डारण, रखरखाव, यातायात एवं निस्तारण पर पाठ्यक्रम

एकीकृत परीक्षण परिसर (आई टी आर), चांदीपुर ने 14–18 सितम्बर 2015 के दौरान विस्फोटक सुरक्षा पर आधारभूत जानकारी देने के लिए विस्फोटकों के

drdo.gov.in/drdo/pub/samachar/index.html

सुरक्षित भण्डारण, रखरखाव, यातायात एवं निस्तारण पर पाठ्यक्रम का आयोजन किया। श्री एम वी के वी प्रसाद, उत्कृष्ट निदेशक तथा निदेशक, आई टी आर ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया। पाठ्यक्रम की विषय वस्तु में उच्च विस्फोटकों के रखरखाव के दौरान सुरक्षा, विस्फोटकों के रखरखाव के दौरान सावधानीपूर्व मापक तथा स्थैतिक विद्युत के प्रभाव, स्थैतिक एवं विद्युतीय परीक्षण के लिए सुरक्षा क्षेत्र का मूल्यांकन, परीक्षण रेंज के संबंधित एक विस्फोटक वातावरण में इलैक्ट्रीकल ई एम आई/ई एम सी सुरक्षा इत्यादि को शामिल किया गया। श्री पी सी राउत्रे, वैज्ञानिक जी, पाठ्यक्रम निदेशक तथा श्री सुकंता दास, पाठ्यक्रम समन्वयक थे।

## आधुनिक युद्धक्षेत्र के लिए लिडार तकनीक पर पाठ्यक्रम

लेजर विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी केंद्र (लेसटेक), दिल्ली ने 07–11 सितम्बर 2015 के दौरान आधुनिक युद्ध क्षेत्र के लिए लिडार तकनीक पर पाठ्यक्रम का आयोजन किया। श्री एच बी श्रीवास्तव, उत्कृष्ट निदेशक तथा निदेशक, लेसटेक ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया। पाठ्यक्रम का उद्देश्य आधुनिक युद्धक्षेत्र प्रयुक्त विभिन्न लिडार तकनीकों की विविधता के विषय में जागरूक करना था। पाठ्यक्रम के दौरान शामिल विषय थे, स्टैंडऑफ सेंसिंग ऑफ कैमीकल्स के लिए मोबाइल लिडार प्रणाली, विस्फाटकों की पहचान के लिए लेजर आधारित तकनीकें, लिडार का अभिकल्पन तथा रक्षा में इसका अनुप्रयोग, आधुनिक युद्धक्षेत्र में रासायनिक–जैविक धमकियां, आंकड़े अधिग्रहण प्रणाली एवं आंकड़े संसाधन, टी डी एल एस आधारित अग्नि संसूचक प्रणाली इत्यादि। पाठ्यक्रम में बहुविकल्पीय परीक्षा भी आयोजित की गई जिसमें प्रतिभागियों द्वारा ग्रहण किए गए ज्ञान का परीक्षण किया गया। डॉ ए के राजदान, वैज्ञानिक जी, पाठ्क्रम निदेशक थे।

श्री एस बी श्रीवास्तव, उद्घाटन उद्बोधन देते हुए।

## डिसरप्टिव टैक्नोलॉजी ऑन एडिटिव मैन्यूफैक्चरिंग पर संगोष्ठी

केन्द्रीय उपकरण कक्ष एवं प्रशिक्षण केन्द्र (सी टी टी सी), भुवनेश्वर द्वारा अनुसंधान केंद्र इमारत (आर सी आई), हैदराबाद के सहयोग से आर सी आई में 21 सितम्बर 2015 को डिसरप्टिव टैक्नोलॉजी ऑन एडिटिव मैन्यूफैक्चरिंग पर कार्यशाला एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। डॉ बी एस गाडगिल, उत्कृष्ट निदेशक तथा सह निदेशक, आर सी आई ने संगोष्ठी का उद्घाटन किया। श्री सिबाशीष मैत्री, प्रबंध निदेशक, सी टी टी सी ने ऐरोस्पेस एवं रक्षा क्षेत्रों के लिए लिए एम एस एम ई उपकरण कक्षों के योगदान पर मुख्य सम्बोधन दिया। केन्द्रीय उपकरण कक्ष, लुधियाना तथा विभिन्न संगठनों, जैसे कि मैसर्स मैवरिक्स आई टी, अमेरिका एवं मैसर्स ई ओ एस ई–मैन्यूफैक्चरिंग सोल्यूशंस आदि के संकाय सदस्यों द्वारा व्याख्यान दिए गए। डॉ एस करूणानिधि, वैज्ञानिक जी, संगोष्ठी संयोजक थे।

## क्रिप्टोलॉजी एवं सूचना सुरक्षा पर पाठ्यक्रम

डॉ जी अतिथन, पाठ्यक्रम सामग्री का विमोचन करते हुए।

वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एस ए जी), दिल्ली द्वारा 31 अगस्त 2015–11 सितम्बर 2015 के दौरान डी आर डी ओ वैज्ञानिकों तथा उपयोक्ता संगठनों के लिए क्रिप्टोलॉजी एवं सूचना सुरक्षा पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। डॉ जी अतिथन, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं मुख्य नियंत्रक अनुसंधान तथा विकास (एस ए एम)तथा निदेशक, एस ए जी ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया। अपने उद्घाटन उद्बोधान में आपने साइबर सुरक्षा की चुनौतियों पर चर्चा की तथा इस प्रकार के पाठ्यक्रमों की आवश्यकता पर बल दिया। पाठ्यक्रम निदेशक, श्री राम रतन, वैज्ञानिक एफ ने प्रतिभागियों को पाठ्यक्रम की जानकारी दी। सूचना सुरक्षा से संबंधित विषयों को इस पाठ्यक्रम में शामिल किया गया।

# हिन्दी पखवाड़ा समारोह

## वैमानिकी विकास स्थापना (ए डी ई), बैंगलूरू

वैमानिकी विकास स्थापना (ए डी ई), बैंगलूरू द्वारा 01–11 सितम्बर 2015 के दौरान हिन्दी पखवाड़ा आयोजित किया गया। श्री एम जेड सिद्दीकी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, ए डी ई ने समारोह की अध्यक्षता की तथा अपने सम्बोधन में कहा कि यह हमारी सांविधिक जिम्मेदारी है कि हम अपना कार्य हिन्दी में करें तथा सभी कार्मिकों को राजभाषा कार्यान्वयन में अपना अधिक से अधिक योगदान देना चाहिए। समारोह के अंत में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

हिन्दी दिवस के अवसर पर सम्बोधित करते हुए श्री एम जेड सिद्दीकी।

## वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स), बैंगलूरू

केयर में हिन्दी दिवस का दृश्य।

वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स), बैंगलूरू द्वारा 01–14 सितम्बर 2015 के दौरान हिन्दी पखवाड़ा आयोजित किया गया। हिन्दी भाषी तथा अहिन्दी भाषी कार्मिकों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। श्रीमती मनीमोझी थियोडोरे, वैज्ञानिक जी, कार्यकारी निदेशक, केयर ने समापन समारोह की अध्यक्षता की। श्री के पी एम भट्ट, वैज्ञानिक जी, इलैक्ट्रोनिक्स तथा रडार विकास स्थापना (एल आर डी ई), बैंगलूरू मुख्य अतिथि थे।

मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में हिन्दी की महत्ता केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों से इसकी सम्बद्धता पर बल दिया। श्रीमती मनीमोझी थियोडोरे ने अपने सम्बोधन में राजभाषा हिन्दी की आवश्यकता बताई तथा केयर के सभी कार्मिकों से राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने की अपील की। श्रीमती टी आर उषा कुमारी, वैज्ञानिक डी ने रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार का संदेश पढ़ा राजभाषा कार्यान्वयन रिपोर्ट प्रस्तुत की।

## रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (डिहार), लेह

रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (डिहार), लेह द्वारा 14–28 सितम्बर 2015 के दौरान हिन्दी पखवाड़ा आयोजित किया गया। छह वर्गों में हिन्दी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिनमें सभी कर्मियों ने बड़े उत्साह से भाग लिया। डॉ भुवनेश कुमार, निदेशक, डिहार ने प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

## रक्षा इलैक्ट्रोनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील), देहरादून

श्री पुंडीर, हिन्दी पखवाड़ा के दौरान विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए।

रक्षा इलैक्ट्रोनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील), देहरादून द्वारा 14–28 सितम्बर 2015 के दौरान हिन्दी पखवाड़ा आयोजित किया गया। डॉ आर एस पुंडीर, निदेशक, डील ने पखवाड़ा का उद्घाटन किया। समारोह का समापन वाद–विवाद प्रतियोगिता से हुआ, जिसमें डील के कर्मियों ने अपना कौशल दिखाया। दैनिक कार्यों में राजभाषा के प्रयोग एवं मेधावी प्रयासों के लिए एकल तथा समूह को पुरस्कृत किया गया।

drdo.gov.in/drdo/pub/samachar/index.html

## रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली

श्री गोपाल भूषण, हिन्दी पखवाड़ा का उद्घाटन करते हुए।

रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली द्वारा 14 सितम्बर–01 अक्तूबर 2015 के दौरान हिन्दी पखवाड़ा आयोजित किया गया। श्री गोपाल भूषण, निदेशक, डेसीडॉक ने इसका उद्घाटन किया। अपने उद्बोधन में आपने हिन्दी में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी साहित्य के सृजन की आवश्यकता पर बल दिया। विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। आपने कहा कि हिन्दी को लोकप्रिय बनाने के लिए हम सभी को उसे अपने दैनिक कार्यों में प्रयोग करना होगा। पखवाड़ा के दौरान विभिन्न प्रकार की 10 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के विजेताओं को समापन समारोह में श्री गोपाल भूषण द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए।

## नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल), विशाखापत्तनम

श्री सी डी मालेश्वर, हिन्दी पखवाड़ा के दौरान सम्बोधित करते हुए।

नौसेना विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन एस टी एल), विशाखापत्तनम द्वारा 03–14 सितम्बर 2015 के दौरान हिन्दी पखवाड़ा आयोजित किया गया। श्री सी डी मालेश्वर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, एन एस टी एल ने इसका उद्घाटन किया। अपने उद्बोधन में आपने सुझाया कि हमें अधिकाधिक कार्यों में हिन्दी का प्रयोग करना चाहिए। श्री के वी नारायण राव, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी ने बताया कि किस प्रकार सरकार दैनिक पत्राचार में हिन्दी का प्रयोग बढ़ाने के लिए कार्मिकों को प्रोत्साहित कर रही है। आपने बताया कि एन एस टी एल का 39 प्रतिशत पत्राचार हिन्दी में किया जाता है। पखवाड़ा समारोह के एक भाग के रूप में, विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें एन एसटी एल के 145 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

## एकीकृत परीक्षण परिसर (आई टी आर), चांदीपुर

आई टी आर में हिन्दी पखवाड़ा का दृश्य।

श्री एम वी भास्कराचार्य, कार्यकारी निदेशक ने 01 सितम्बर 2015 को हिन्दी पखवाड़ा का उद्घाटन किया तथा प्रशासनिक एवं तकनीकी कार्यों में हिन्दी के महत्व के बारे में बताया। एकीकृत परीक्षण परिसर (आई टी आर), चांदीपुर में राजभाषा का प्रचार–प्रसार करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

## प्रमाण तथा प्रायोगिकी स्थापना (पी एक्स ई), चांदीपुर

कुछ खट्टा मीठा के विमोचन का दृश्य।

प्रमाण तथा प्रायोगिकी स्थापना (पी एक्स ई), चांदीपुर द्वारा 03–16 सितम्बर 2015 के दौरान

हिन्दी पखवाड़ा आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। श्री आर अप्पावुराज, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, पी एक्स ई ने इसका उद्घाटन किया। अपने सम्बोधन में आपने सभी कार्मिकों से उत्साह एवं उमंग के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की। डॉ ए के सन्निग्रही, अपर निदेशक ने हिन्दी पखवाड़ा के महत्व पर प्रकाश डाला तथा सरकारी पत्राचार में हिन्दी के अधिक से अधिक प्रयोग के लिए कार्मिकों का उत्साह वर्धन किया। कार्मिकों ने पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। 14 सितम्बर 2015 को हिन्दी दिवस के अवसर पर एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें 30 प्रतिभागियों ने अपनी कविताएं सुनाई। इस अवसर पर श्रीमती अप्पावुराज, पी एक्स ई की प्रथम महिला द्वारा एक कविता संग्रह का भी विमोचन किया गया। निदेशक द्वारा कुछ खट्टा कुछ मीठा के विशेष अंक का भी विमोचन किया गया।

## अनुसंधान केंद्र इमारत (आर सी आई), हैदराबाद

अनुसंधान केंद्र इमारत (आर सी आई), हैदराबाद द्वारा 12 अक्तूबर 2015 को हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। डॉ जी सतीश रेड्डी, रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार एवं निदेशक, आर सी आई उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि थे। श्री टी नरसिम्हा राव, वैज्ञ.ानिक जी एवं उपाघ्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने पिछले वर्ष आयोजित हिन्दी गतिविधियों की जानकारी दी। डॉ आई एम छाबड़ा, वैज्ञानिक एफ ने हिन्दी में प्रशिक्षण कार्यक्रमों की महत्ता पर बल दिया। श्री काजिम अहमद, वरिष्ठ अनुवादक ने हिन्दी पखवाड़ा पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ जी सतीश रेड्डी ने आर सी के सभी अनुभागों में हिन्दी कार्यान्वयन को आज की आवश्यकता बताया। श्री आर अंजनी, जनसम्पर्क अधिकारी ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

डॉ जी सतीश रेड्डी, आर सी आई में हिन्दी पखवाड़ा का उद्घाटन करते हुए।

## पुरस्कार

### सर्वोत्तम आलेख पुरस्कार

श्री अमित कालरा, वैज्ञानिक डी, गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जी टी आर ई), बैंगलूरू को नवोन्मेष अभियांत्रिकी प्रौद्योगिकियां नामक विषय पर बैंकाक, थाईलैंड में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान सर्वोत्तम सत्र आलेख पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। मैथमैटिकल मॉडलिंग, साइमुलेशन एंड वैलीडेशन ऑफ ब्रशलैश डी सी मोटर बेस्ड फ्यूल मीटरिंग सिस्टम विद इट्स एप्लीकेशन टू मैरीन गैस टरबाइन इंजन्स पर अपने तकनीकी आलेख में समुद्री गैस टरबाइन इंजन अनुप्रयोगों के लिए नवीन इंजन नियंत्रण योजना की बात कही है।

drdo.gov.in/drdo/pub/samachar/index.html

## नियुक्ति

### रक्षा सामग्री एवं भण्डार अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डी एम एस आर डी ई), कानपुर

डॉ नम्बुरी ईश्वर प्रसाद, वैज्ञानिक जी ने रक्षा सामग्री एवं भण्डार अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डी एम एस आर डी ई), कानपुर के निदेशक का कार्यभार संभाल लिया है। डॉ प्रसाद ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से धातुकर्मीय अभियांत्रिकी में 1985 में प्रौद्योगिकी स्नातक तथा 1993 में पी एच डी की उपाधि प्राप्त की। आप वैज्ञानिक बी के रूप में रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डी एम आर एल), हैदराबाद में भर्ती हुए तथा 2009 में आर सी एम ए (सामग्री) सेमीलेक, हैदराबाद का क्षेत्रीय निदेशक बनने तक वहां आपने कार्य किया।

डॉ प्रसाद भारतीय रक्षा के लिए अभिकल्पन एवं विकास, जीवन आंकलन एवं ढांचागत तथा विशेष सामग्री (प्राथमिक तथा द्वितीय उत्पाद दोनों) एवं अवयवों पर कार्य कर रहे हैं। Al nx Al-Li एलाय; उन्नत ऐरोस्टील्स एवं Ti एलाय; Mo nx Ti इंटरमिटेलिक; मोनोलिथिक सिरेमिक्स जैसे कि स्ट्रक्चरल एलुमीना, ग्रेफाइट एवं SiC; कार्बन एवं SiC आधारित नियमित फाइबर रेनफोर्स्ड, सिरेमिक मैट्रिक्स कम्पोजिट्स के विकास में आपका मुख्य रूप से अनुसंधान योगदान है।

आपके नाम 170 से अधिक प्रकाशन तथा 300 से ज्यादा गोपनीय रिपोर्ट एवं उड़नयोग्यता प्रमाण ान प्रलेख हैं। आपको युवा वैज्ञानिक आई एस सी ए पुरस्कार 1991; आई आई एम युवा धातुकर्मीय 1994; मैक्सप्लेंक संस्थान के अतिथि वैज्ञानिक तथा एलेक्जेंडर वॉन हमबोल्ट फाउंडेशन, जर्मनी के अनुसंधान अध्ययेता 1998–1999; आई आई एम बिनानी स्वर्ण पद 2006; इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आई आई एम के वार्षिक धातुकर्मी 2010; तथा भारतीय वैमानिकी समिति के डॉ वी एम घाटगे पुरस्कार 2014 आदि पुरस्कार प्राप्त हैं। इनके अलावा, डॉ प्रसाद, वर्ष 2009 के लिए अभियंता संस्थान के अध्ययेता चुने गये, आंध्र प्रदेश विज्ञान अकादमी, 2011 के अध्ययेता; भारतीय धातुकर्म संस्थान के अध्ययेता 2011; उपाध्यक्ष, आई आई एम, हैदराबाद चैप्टर, 2012 तथा आंध्र विश्वविद्यालय एवं एम जी आई टी 2013 के ए आई सी टी ई–आइ एन ए ई विशिष्ट अतिथि वैज्ञानिक, साथ ही साथ आई आई टी बी एच यू (एम ई टी) के विशिष्ट एलुमिनी रहे हैं।

### प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं पर विशेषांक

डी आर डी ओ समाचार के माध्यम से जनमानस/सरकारी संस्थानों/वैज्ञानिक संस्थानों/विभिन्न विश्वविद्यालयों को डी आर डी ओ के विषय में अधिक जागरूक करने के संबंध में डी आर डी ओ की सभी प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं पर विशेषांक प्रकाशित करने का प्रस्ताव है। इससे डी आर डी ओ की प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं के बारे में अधिक एवं सही सूचना का प्रसार होगा, जिससे डी आर डी ओ की प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं में हो रहे विभिन्न रक्षा एवं जनोपयोगी अनुसंधानों के विषय में सही परिप्रेक्ष्य में जानकारी उपलब्ध करायी जा सकेगी। कृपया विशेषांक हेतु अपनी प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं के विभिन्न गतिविधियों से संबंधित उत्तम चित्र तथा सामग्री यथाशीघ्र भेजें। इसे हम आगामी अंकों में प्रकाशित करने का भरसक प्रयास करेंगे।

### आभार

डी आर डी ओ समाचार का सम्पादक मंडल वर्ष भर नियमित रूप से प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं से संबंधित समाचार भेजने के लिए सभी संवाददाताओं, राजभाषा अधिकारियों, तथा प्रबुद्ध निदेशकगणों का आभार व्यक्त करता है।

## आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (ए आर डी ई), पुणे

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा पिछले वर्ष गठित स्वच्छ भारत अभियान के अनुक्रम में, आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (ए आर डी ई), पुणे द्वारा 01 अक्तूबर 2015 को स्वच्छ भारत अभियान आयोजित किया गया। कर्मियों द्वारा स्वच्छ भारत अभियान शपथ ली गई। डॉ के एम राजन, निदेशक, ए आर डी ई के नेतृत्व में स्वच्छ भारत का संदेश फैलाने के उद्देश्य से ए आर डी ई परिसर से पाषाण सर्किल तक एक रैली का आयोजन किया गया। सभी कार्मिकों ने पूरे दिल से इस अभियान में भाग लिया।

ए आर डी ई में स्वच्छ भारत अभियान।

## एकीकृत परीक्षण परिसर (आई टी आर), चांदीपुर

आई टी आर में स्वच्छ भारत अभियान।

एकीकृत परीक्षण परिसर (आई टी आर) चांदीपुर द्वारा 02 अक्तूबर 2015 को स्वच्छ भारत अभियान आयोजित किया गया। श्री आर अप्पवुराज, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, आई टी आर ने सभी कार्मिकों को स्वच्छ भारत अभियान की शपथ दिलाई तथा कहा कि हमें स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने के लिए आई टी आर के चारों तरफ साफ–सफाई सुनिश्चित करनी है। आई टी आर द्वारा स्वच्छ भारत अभियान द्वारा स्वच्छता, स्वस्थ एवं तनाव रहित जीवन, रक्त दान, सुशासन इत्यादि के संबंध में सभी कार्मिकों को जागरूक भी किया गया। डॉ अप्पावुराज ने कहा कि हमारा उद्देश्य सद्भाव एवं प्रकृति के साथ विश्व स्तरीय परीक्षण परिसर बनाना है ताकि हमारे कार्मिक भारत के विकास के लिए प्रतिबद्ध हों।

## रक्षा इलैक्ट्रोनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील), देहरादून

डील में स्वच्छ भारत अभियान।

रक्षा इलैक्ट्रोनिक्स प्रयोज्यता प्रयोगशाला (डील), देहरादून द्वारा 02 अक्तूबर 2015 को स्वच्छ भारत अभियान आयोजित किया गया। कर्मियों द्वारा स्वच्छ भारत अभियान शपथ ली गई। डॉ आर एस पुंडीर, निदेशक, डील के नेतृत्व में सभी कार्मिकों ने परिसर में सफाई अभियान में बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। स्वच्छ भारत का संदेश फैलाने के उद्देश्य से परिसर परिसर के आस–पास एक रैली का आयोजन किया गया।

## गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जी टी आर ई), बैंगलूरू

गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जी टी आर ई), बैंगलूरू के कार्मिकों ने बड़े जोश एवं उत्साह के साथ सितम्बर 2015 माह के दौरान स्वच्छता अभियान में भाग लिया। कर्मियों द्वारा स्वच्छ भारत अभियान शपथ ली गई। श्री एम जेड सिद्दीकी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, जी टी आर ई ने इसका नेतृत्व किया।

drdo.gov.in/drdo/pub/samachar/index.html

जी टी आर ई में स्वच्छ भारत अभियान।

कार्मिकों ने कार्यालय परिसर में बहुत से स्थानों की साफ–सफाई की।

### नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एन एम आर एल), अंबरनाथ

गांधी जयंती के अवसर पर, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एन एम आर एल), अंबरनाथ द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के एक भाग के रूप में प्रयोगशाला स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ एस बी सिंह, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एन एम आर एल ने सभी कार्मिकों से अपील की कि वे स्वच्छ भारत मिशन में हाथ मिलायें तथा समय एवं श्रम दान करें। आपने कार्यस्थल को साफ रखने के लिए जापानी तकनीकी के पांच सिग्मा के विषय में जानकारी दी।

### सम्पदा प्रबंधन इकाई (ई एम यू), बैंगलूरू

श्री एम एल नरसिम्हा राव, सम्पदा प्रबंधक, सम्पदा प्रबंधन इकाई (ई एम यू) (अनुसंधान तथा विकास), बैंगलूरू ने 02 अक्तूबर 2015 को नगावरपाल्या में डी आर डी ओ नगरी में साधारण एवं सैन्य कार्मिकों के साथ सफाई अभियान चलाया। इस क्षेत्र को कूड़ा डालने के लिए प्रयोग किया जाता है। स्थानीय विधायक तथा नगर निगम के कर्मचारियों ने इसमें भाग लिया।

## उच्च अर्हता प्राप्ति

### रक्षा सामग्री एवं भण्डार अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डी एम एस आर डी ई), कानपुर

सुश्री कविता अग्रवाल, वैज्ञानिक डी, रक्षा सामग्री एवं भण्डार अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डी एम एस आर डी ई), कानपुर को उनके डेव्लपमेंट ऑफ एडवांस पॉलीमर ब्लेंड्स एंड देयर कम्पोजिट्स एंड देयर कैरेक्ट्राइजेशन विद स्पेशन रिफरेंस टू स्केनिंग इलैक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप नामक शोध प्रबंध पर रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डी आई ए टी), मानद विश्वविद्यालय, पुणे द्वारा पी एच डी की उपाधि से सम्मानित किया गया है।

## डी आर डी ओ प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं में पधारे अतिथिगण

### हवाई वितरण अनुसंधान तथा विकास स्थापना (ए डी आर डी ई), आगरा

21 अगस्त 2015 : श्री महेन्द्र सिंह धोनी, कप्तान, भारतीय क्रिकेट टीम। डॉ एस सी सती, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, ए डी आर डी ई ने भारतीय कप्तान का स्वागत किया तथा उन्हें अभिकल्पन, मूल्यांकन एवं उत्पादन से संबंधित विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी दी। आपने ऐरोस्टेट्स, एरेस्टर बेरियर सहित ए डी आर डी ई के अन्य उत्पाद विशेष रूप से मैन ड्रोपिंग पैराशूट के बारे में बताया।

डॉ एस सी सती, श्री धोनी को पैराशूट के बारे में बताते हुए।

ISSN 0971-4405

## रक्षा सामग्री एवं भण्डार अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डी एम एस आर डी ई), कानपुर

04 सितम्बर 2015 : श्री किरण रिजिजू, गृह राज्य मंत्री तथा श्री वी वुनलुनमांग, संयुक्त सचिव (प्रधानमंत्री) के नेतृत्व में गृह मंत्रालय के उच्च स्तरीय प्रतिनिधि। प्रतिनिधियों को कार्मिक सुरक्षा प्रणाली, विशेष रूप से बुलेट प्रूफ जैकेट की जी एस क्यू आर–1293 तथा जी एस क्यू आर–1318 विशेषताओं के बारे में बताया गया।

माननीय मंत्री ने कहा कि डी आर डी ओ तथा गृह मंत्रालय के मध्य नजदीकी सहयोग होना चाहिए तथा सभी कार्मिक सुरक्षा प्रणालियों का स्वदेशी विकास होना चाहिए एवं उन्हें गृह मंत्रालय तथा अर्ध सैनिक बलों को आवश्यकतानुसार उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

श्री किरण रिजिजू को डी एम एस आर डी ई की गतिविधियों के बारे में बताया जा रहा है।

## रक्षा भू.भाग अनुसंधान प्रयोगशाला (डी टी आर एल), दिल्ली

07 सितम्बर 2015 : ब्रहमोस ऐरोस्पेस से 17 अभियंता कार्यकारी प्रशिक्षु। डॉ एम आर भुटियानी, निदेशक, डी टी आर एल ने अनुसंधान कार्यों पर एक प्रस्तुति दी।

## नाभिकीय औषधि तथा सम्बद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली

03 सितम्बर 2015 : लेफ्टिनेंट जनरल टी के बंधोपाध्याय, पी एच डी एस, डी जी डी एस एवं कर्नल कमांडेंट। आपको संस्थान की गतिविधियों, विशेष रूप से दंत अनुसंधान एवं आरोपण विभाग के बारे में बताया गया।

## पद्धति अध्ययन तथा विश्लेषण संस्थान (ईसा), दिल्ली

03 सितम्बर 2015 : लेफ्टिनेंट जनरल पी एम हारिज, सेवा मेडल, विशिष्ट सेवा मेडल, जी ओ सी इन सी, एच क्यू ए आर टी आर ए सी। आपके साथ ब्रिगेडियर आलोक कैकर, कमांडैंट डब्ल्यू ए आर डी ई सी तथा अधिकारियों की एक टीम। डॉ सतीश कुमार, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (एम एस एस) भी इस अवसर पर उपस्थित थे। डॉ एस बी तनेजा, निदेशक, ईसा ने युद्धक्रीडा, प्रणाली विश्लेषण तथा सामरिक योजना में इसके प्रयासों की संभावनाओं पर संक्षिप्त जानकारी दी। समर, विभागीय स्तर युद्धक्रीडा बहु थ्रस्ट स्तर सहित एवं सैन्य वायु रक्षा नियुक्ति अनुरूपण प्रणाली, सैन्य वायु रक्षा महाविद्यालय, गोपालपुर में एक सॉफ्टवेयर के स्थापन पर एक प्रस्तुति दी गई।

श्री तनेजा, ईसा की गतिविधियों के बारे में बताते हुए।

drdo.gov.in/drdo/pub/samachar/index.html

| मुख्य सम्पादक | वरिष्ठ सम्पादक | सम्पादक | सहायक सम्पादक | सम्पादकीय सहायक | मुद्रण | विपणन |
|---|---|---|---|---|---|---|
| गोपाल भूषण | सुमति शर्मा | फूलदीप कुमार | अनिल कुमार शर्मा<br>अशोक कुमार | दिनेश कुमार | एस के गुप्ता<br>हंस कुमार | आर पी सिंह |

श्री गोपाल भूषण, निदेशक, डेसीडॉक द्वारा डी आर डी ओ की ओर से मुद्रित एवं प्रकाशित

प्रकाशक : डेसीडॉक, मेटकॉफ हाउस, दिल्ली-110054 ; दूरभाष : 011-23812252 ; फैक्स : 011-23813465 ; ई-मेल : director@desidoc.drdo.in